

N.1 Agreement signed between RRCAT and CERN on TL-2 of CTF-3

An agreement was signed between RRCAT, Indore and CERN, Switzerland under Novel Accelerator Technology Programme (NAT) for Compact Linear Collider (CLIC) Test Facility3 (CTF-3). This agreement was signed on October 19, 2007 at CERN by Dr. V.C. Sahni, Director, RRCAT and Dr. R. Aymar, Director General, CERN.



Dr. V.C. Sahni, Director, RRCAT and Dr. R. Aymar, Director General, CERN, signing the agreement.

Under this agreement, for CTF-3, complete physics design of transfer line-2 (TL-2), mechanical design of components, fabrication, vacuum testing, and supply to CERN will be responsibilities of RRCAT. Physics (optics) design of TL-2 has already been completed and approved by CERN.

TL-2 will consist of five dipole magnets (two will be long magnets and three will be short). Mechanical design of magnets has already been completed. Magnets are under various stages of construction. Five dipole vacuum chambers and 56 straight vacuum chambers (both, cylindrical and racetrack profile) will be fabricated. All vacuum chambers will be made from aluminium alloy 6061-T6. Design of vacuum chambers has been completed and are under fabrication.



RRCAT delegation with CERN counterparts at the time of signing the agreement.

N.2 Director RRCAT signs MOU with SLAC, U.S.A.

Dr. V.C. Sahni, Director, RRCAT visited Stanford Linear Accelerator Centre (SLAC), U.S.A., with Fermilab's Dr. Shekhar Mishra and signed an agreement with SLAC Director Dr. Persis Drell.

The agreement is an addendum to a pre-existing Memorandum of Understanding between U.S. and Indian universities and accelerator centers that specifies collaborative activities on accelerator R&D and high energy physics projects. As a result of the addendum, SLAC and Indian institutions will work together to further develop a beam dump design and prototypes for the International Linear Collider (ILC). Additionally, Indian institutions will work with both SLAC and Fermilab to develop an ILC radio frequency unit.

The addendum specifies collaborative activities between SLAC and four Indian R&D centres : Raja Ramanna Center of Advanced Technology (RRCAT), Indore, Bhabha Atomic Research Centre (BARC), Mumbai, Variable Energy Cyclotron Centre (VECC), Kolkata and Inter University Accelerator Centre (IUAC), New Delhi.



Dr. V.C. Sahni, Director, RRCAT, signs an agreement with Dr. Persis Drell, Director, SLAC.

N.3 Activities of the Women's Cell in RRCAT

Women's Cell of RRCAT has been actively engaged in the empowerment of women in the Centre. It has been organizing Women's Day function for last three years, as mark of celebration and for enhancing the communication amongst women employees of the Centre. Further in this direction, special efforts are being made to open an intranet / e-mail route of communication for women within RRCAT, as a confidence building measure.

The Cell organized a special lecture by Ms. Smita Gate, IAS officer of the 1992 batch, the then Chairperson, Finance Corporation of M.P., on 24th Aug. 2007. Ms. Gate delivered a scintillating lecture on the topic "My experiences of bureaucracy". As the Cell members felt that empowerment of women cannot be achieved without participation of the men, this lecture was kept open to all.

Ms. Gate described her experiences of implementing the water shade management project, which she had executed for the rural women for the villages in Shujalpur of M.P. in the capacity of SDM. It was heartening to hear how a single person can inflict confidence in so many to achieve the nearly impossible. She emphasized the fact that although society does not welcome changes, they are necessary for the progress of the society. She also noted that learning goes a long way and can be achieved at any age. Her experience in controlling of the mob gave a fine example of courage and importance of timely measures in achieving success. She and her project got a special award from the President of India for its successful implementation. It was a success story against all odds and gave an account of how women can empower themselves with the help of other men and women.

Communicated by:
A. Ingale (alka@cat.ernet.in)

N.4 राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र द्वारा जुलाई 2007 से आयोजित हिन्दी की विभिन्न गतिविधियाँ

राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दौर में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में भी संवैधानिक अपेक्षाओं के अनुरूप प्रभावी कदम उठाए गए हैं। केन्द्र की राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने केन्द्र में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के सहयोग से हिन्दी की लोकप्रियता में संवृद्धि एवं प्रशासन में राजभाषा के उपयोग को बढ़ाने के क्षेत्र में ठोस कारवाई की। इस दिशा में किए गए कार्यों तथा प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

इस केन्द्र के मुख्य सभागृह में दिनांक 14 सितंबर 2007 को हिन्दी दिवस मनाया गया जिसमें भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री श्री शिवराज पाटील तथा परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष माननीय डॉ. अनिल काकोडकर द्वारा हिन्दी दिवस पर जारी संदेशों का वाचन किया गया तथा केन्द्र के उच्च स्तरीय कवियों द्वारा कविता पाठ किया गया, जो अत्यंत सराहनीय रहा।

प्रशासनिक एवं विज्ञान लेखन कार्य की आवश्यकता एवं सहजता नामक विषय पर 24 सितंबर, 2007 को एक राजभाषा वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें भूजल विभाग, जोधपुर, राजस्थान के डॉ. डी. डी. ओझा मुख्य वार्ताकार थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. विनोद चन्द्र साहनी, निदेशक, आरआरकेट, अध्यक्ष, राभाकास श्री एस.के. शुक्ला, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि श्री टी. एन. नायर तथा राजभाषा वार्ता की अध्यक्ष, संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा) श्रीमती रेखा रायकर कुमार ने भी अपने-अपने सूचनाप्रद एवं ज्ञान वर्धक विचार व्यक्त किए।



प्रशासनिक एवं विज्ञान लेखन कार्य की आवश्यकता एवं सहजता : वार्ताकार डॉ. डी. डी. ओझा, भूजल विभाग, जोधपुर, राजस्थान।

उक्त अवधि के दौरान इंदौर स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन दिनांक 16 अगस्त, 2007 को आरआरकेट के निदेशक की अध्यक्षता में सी.जी.ओ. काम्प्लेक्स स्थित पत्र सूचना कार्यालय में किया गया। आकाशवाणी, इंदौर द्वारा प्रकाशित गृह पत्रिका "मालववाणी" को सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिका के लिए राजभाषा शील्ड समिति के अध्यक्ष माननीय डॉ. विनोद चन्द्र साहनी, निदेशक, आरआरकेट ने प्रदान की। इस अवसर पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर आयुक्तालय के पूर्व सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं नराकास के पूर्व सचिव श्री राज केसरवानी, की सेवानिवृत्ति पर उन्हें शॉल श्रीफल तथा प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया गया।



प्रथम विश्व हिन्दी दिवस समारोह : अध्यक्ष, राभाकास श्री एस.के.शुक्ला, संयुक्त नियंत्रक (वित्त एवं लेखा) श्रीमती रेखा रायकर कुमार, भापअर्के की अनुसंधान वैज्ञानिक श्रीमती डेजी जोसफ, श्री प्रभु जोशी, कार्यक्रम प्रभारी, दूरदर्शन केन्द्र, इन्दौर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री टी.एन. नायर तथा जय नारायण सोनी, सहायक निदेशक (राजभाषा)।

परमाणु ऊर्जा विभाग के निदेशानुसार हर वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस मनाया जाएगा। तदनुसार इस केन्द्र में दिनांक 10 जनवरी, 2008 को प्रथम विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में भाषा और भूमंडलीकरण विषय पर साहित्यिक व्याख्यान के लिए श्री प्रभु जोशी, कार्यक्रम प्रभारी, दूरदर्शन केन्द्र तथा आहार में सूक्ष्म मात्रिक तत्व तथा मनुष्यों में इनका महत्व विषय पर वैज्ञानिक व्याख्यान के लिए भापअर्के की अनुसंधान वैज्ञानिक श्रीमती डेजी जोसफ को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बहुत ही रोचक ढंग से व्याख्यान देकर दर्शकों का मन जीत लिया।

केन्द्र में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों के विभिन्न वर्गों के लिए उपरोक्त अवधि के दौरान कुल 2 एक पूर्ण दिवसीय हिन्दी कार्यशालाएं क्रमशः